11. क्या इलाज़ के बाद ऐसे कुष्ठ रोगी जिनमें विकलांगता आ चुकी है, उन्हें अन्य विकलांग लोगों की तरह ही सुविधाएं उपलब्ध हो पाती हैं ?

हाँ, ऐसे कई प्रावधान है जिसके तहत सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं।

12. क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित मरीज़ को समाज द्वारा स्वीकृत किया जाना चाहिए ?

क्यों नहीं? यह बीमारी सबसे कम संक्रामक है और MDT दवा के द्वारा इसका पूर्ण इलाज संभव है। एक संक्रमित मरीज़ एक ही MDT की ख़ुराक के बाद असंक्रमित बन जाता है अर्थात उसके अन्दर से रोगाणु फैलाने की क्षमता ख़त्म हो जाती है। अगर तुरंत ही मरीज़ की बीमारी का पता लगा लिया जाए तो मरीज़ को विकलांगता एवं विकृतियों से भी पूर्णतः बचाया जा सकता है।

13. क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों को रोजगार पर रखा जा सकता है ?

हाँ, कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति अपने साथी सहकर्मी / नागरिकों के लिए कोई ख़तरा नहीं है अगर वह MDT की दवा खा रहा हो।

14. क्या मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रह सकता हूँ जो कुष्ठ रोग से संक्रमित हो / जिसे कुष्ठ रोग हो?

हाँ, क्योंकि यह बीमारी बहुत ही कम संक्रामक होती हैं, और आपके शरीर की कुष्ठ प्रतिरोधक क्षमता रोग से बचाती है।

15. क्या होगा, अगर मैं किसी ऐसे साथी से शादी करूँ जो की कुष्ठ रोगी हो ?

क्यूँ नहीं, आपकी शादी शुदा ज़िन्दगी बिलकुल भी वैसे ही सामान्य रहेगी जैसे की बाकी लोगों की शादी शुदा ज़िन्दगी होती हैं। अगर कुष्ठ से प्रभावित आपके साथी ने निश्चित ख़ुराक MDT खायी है तो उसे पूर्णतः ठीक माना जाता है।

16. कुष्ठ रोग से प्रभावित ऐसे लोग जिनका इलाज़ हुआ हो या न हुआ हो, के क्या अधिकार हैं ?

सभी ऐसे लोगों को अन्य सामान्य नागरिक की तरह ही अधिकार प्राप्त है।

17. क्या कुष्ठ रोग से बचाव का कोई उपाय है? जैसे पोलियो में रोकथाम के लिए एक बूँद या टीका दिया जाता है।

हाँ, कुष्ठ रोग से बचाव का उपाय है। कुष्ठ रोग का उपचार तो निःशुल्क होता है। अब कुष्ठ रोग के होने के जोख़िम को कम करने के उपाय भी निकल गए हैं। एक या दो दवाईयों के देने से कुष्ठ रोग का बचाव या रोकथाम किया जा सकता है। रिफम्पिसिंइन कैप्सूल की ख़ुराक या रिफम्पिसिंइन और क्लेरिथ्रोमाइसिन की तीन ख़ुराक संपर्क में आये व्यक्तियों को देने से कुष्ठ रोग होने का जोख़िम कम किया जा सकता है।

NLEP
NATIONAL LEPROSY ERADICATION PROGRAMME

कुष्ठ रोग पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

विकसित एवं प्रकाशित :

NLR INDIA
until No Leprosy Remains

निदरलैण्ड्स लेप्रोसी रिलीफ इण्डिया
१०९, कल्पना भवन, कलक्टर गंज,
भारत गैस एजेंसी के ऊपर, फतेहपुर,
उत्तर प्रदेश, पिन – २१२६०१
फोन नंबरः ०५१८०-२२१७८६
ईमेलः dspep_fth@nlrindia.org
वेबः www.nlrindia.org

कुष्ठ रोग पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

1. क्या किसी को भी कुष्ठ रोग हो सकता है ?

नहीं, क्या आपने हर किसी को किसी तरह की बीमारियों से ग्रसित देखा है? क्या सभी को छींकते हुए या उनके नाक से पानी बहते हुए देखा है? क्या सभी को दस्त होते हुए या शरीर में पानी की कमी होते हुए देखा है? इसी तरह हर व्यक्ति कुष्ठ रोग से प्रभावित नहीं होता है। यह स्पष्ट है कि हमारा शरीर अलग–अलग संक्रमण के ख़िलाफ अलग–अलग तरीक़े से प्रतिक्रिया करता है, किसी भी बीमारी या संक्रमण के ख़िलाफ उसका शरीर कैसे लड़ता है, इसको ही शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति या प्रतिरोधक क्षमता कहते हैं।

2. शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति/ प्रतिरोधक क्षमता क्या है ?

शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति / प्रतिरोधक क्षमता वह शक्ति है जिससे वह बीमारी पैदा करने वाले (रोग जनक) रोगाणु से लड़ती है और शरीर में रोग उत्पन्न होने से रोकती है। हमारे शरीर में विशेष तौर पर कुछ कोशिकाएं ऐसी होती हैं जो संक्रमण के ख़िलाफ लड़ती हैं। यही कोशिकाएं हानिकारक रोगाणुओं एवं कीटाणु (जिसमें कुष्ठ रोग के कीटाणु भी शामिल हैं) के खिलाफ प्रतिरोधी होता है।

3. हर कोई कुष्ठ रोग से पीड़ित क्यों नहीं है?

यह कुष्ठ जीवों से लड़ने के लिए किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत क्षमता पर निर्भर करता है। शोध के माध्यम से यह पता चला है कि हमारी आबादी का 95–99% प्रतिरोधी है पूरी आबादी का 1–5% में ही रोग विकसित होने का ख़तरा है।

4. कुष्ठ रोग होने का क्या कारण हैं ?

कुष्ठ रोग भी अन्य रोगों की तरह ही है जो की एक विशेष प्रकार के रोगाणु से होता है जिसका नाम है माइक्रोबैक्टीरियम लेप्रे। यह मुख्यतः परिधीय तंत्रिकाओं और चमड़ी पर असर करता है और अगर इसका पर्याप्त रूप से इलाज नहीं कराया गया तो यह शरीर में विकलांगता और विकृति भी उत्पन्न कर सकता है।

5. कुष्ठ रोग कैसे फैलता है?

कुष्ठ रोग का अनुपचारित व्यक्ति माइक्रोबैक्टीरियम लेप्रा को हवा में छींकने या खांसने से प्रसारित करता है। हवा में तैरते कीटाणु स्वास द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करता है।

6. कुष्ठ रोग के चिन्ह् व लक्षण क्या हैं?

कुष्ठ रोग में प्रायः चमड़ी पर हल्के या तांबे के रंग के दाग निकलते हैं जिनमें सुन्नपन होता है, चमड़ी पर सूजन या दाने गठाने भी हो सकती हैं। सूजी हुई तंत्रिकाए, हथेली या तलवो में सूखापन सुन्नपन या हाथ या पैर में कमजोरी भी इसका लक्षण हो सकता है। कभी–कभी कुष्ठ रोग से आँखें भी प्रभावित हो सकती है।

7. क्या कुष्ठ रोग संक्रामक है? क्या कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के बच्चों में बीमारी विकसित होने का ख़तरा है?

कुष्ठ रोग बहुत कम संक्रामक है। लंबे समय तक अनुपचारित कुष्ठ रोगी के साथ रहने से कुष्ठ रोग का जोख़िम हो सकता है। कुष्ठ रोगी जिन्होंने उपचार शुरू कर दिया है वे संक्रामक नहीं होते है। कुष्ठ रोग वंशानुगत नहीं है।

8. क्या कुष्ठ रोगी का इलाज़ घर पर किया जा सकता है ?

हाँ, बल्कि घर पर रहकर ही इनका इलाज़ ज़्यादा बेहतर होता है।

9. क्या कुष्ठ रोग का इलाज़ जीवन भर चलता है?

नहीं, सिर्फ 6 या 12 महीनों तक, इलाज़ की अवधि बीमारी के प्रकार पर निर्भर करती है।

10. क्या कुष्ठ रोग से हुए विकृति को ठीक किया जा सकता है ?

हाँ, इन विकृतियों को उपचार पूरा होने के बाद, पुर्ननिर्माण शल्यचिकित्सा / RECONSTRUCTIVE SURGERY द्वारा ठीक किया जा सकता है।